आभार – सुमन

उचित पथ प्रदर्शन, प्रेरणा, सहयोग, सहानुभूति जैसे – मानवीय भावों के अभाव में किसी भी बृहद् एवं महत्वपूर्ण कार्य की पूर्णता असंभव है। अस्तु मै उन सभी महान विभूतियों के प्रति आभार प्रकट करना अपना परम कर्तव्य समझती हूं जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मुझे इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए प्रेरित किया। सर्वप्रथम परमपिता परमेश्वर के चरण कमलों में कोटि–कोटि नमन करती हूं जिनकी असीम अनुकम्पा से मै अपने शोधकार्य को कई कठिनाईयों के बाद भी पूर्ण करनें मे समर्थ हो सकी।

''गुरू बिन ज्ञान ना उपजे, बिन ज्ञान सब सून,

ज्ञान मिलें तिमिर हटे, खिले चहुं ओर प्रसून।

मै अपनी श्रद्धेय गुरू **श्रीमती रीना रस्तोगी जी** और **श्री विद्याप्रकाश दीक्षित जी** का आभार प्रदर्शित करती हूँ, जिन्होने मुझे हर कदम पर अपना सहयोग एवं आर्शीवाद प्रदान किया।

शोध एक जटिल कार्य है उचित मार्गदर्शन के अभाव में इसमें निहित जटिलताओं एवं चुनौतियों का निवारण सम्भव नहीं होता। परम आदरणीय स्नेहमयी, कार्य को सुगम कर सम्पन्नता की स्वर्णिम राह की ओर अग्रसर करने वाली पथ प्रदर्शिका एवं **विभागाध्यक्ष प्रो. सुभद्रा कुमारी सतसंगी जी** के प्रति हृदय से आभार प्रकट करती हूं जिनके अथक परिश्रम, त्याग, सहयोग, स्नेह, प्रेम, प्रेरणा, विद्वतापूर्ण, सुझावों एवं आशीष वचनों ने मुझमें ज्ञान की ज्योति जाग्रत की जिससे मै यह कठिन कार्य सम्पादित कर सकी।

मै अपने संस्थान के निदेशक महोदय **प्रो० पी० के० कालरा०** एवं कला संकाय **प्रो० रागिनी रॉय** के प्रति आभार ज्ञापित करती हूं जिनकी छत्रछाया में संस्थान एवं संकाय के समसत कार्य सम्पादित होते है।

मै अपने कला संकाय के संगीत विभाग के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं, जिन्होंनें इस शोध कार्य में अमूल्य सहयोग दिया, उनका हदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

मै **श्री एस. डी. सतसंगी जी** का हदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने समय–समय पर मुझे अपना योगदान प्रदान किया।

मै **आकर्ष शुक्ला** का हदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने शोध कार्य मुझे अपना योगदान प्रदान किया।

मै, डी० ई० आई०, दयालबाग पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ आदि पुस्तकालयों का हदय से आभार व्यक्त करती हूँ, इन्होंने यथासम्भव सहयोग प्रदान कर मेरे कार्य को सरल बनाने में मुझे सहयोग प्रदान किया।

मै अपने परम पूज्य पिता – **श्री सुनीत कुमार कमठान**, माता – **श्रीमती मंजू कमठान**, भाई – **श्री कृष्ण कुमार कमठान**, भाभी – **श्रीमती प्रिया कमठान** की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने मुझे अध्ययन के प्रति जागरूक बनाया व घर में यथासम्भव समय देकर मनोबल प्रदान कर जीवन के इस संग्राम क्षेत्र में मस्तक ऊँचा कर जीने हेतु इस महत्वपूर्ण कार्य को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया।

साथ ही मै अपनी सहपाठी अंजुल मित्तल का आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मुझे समय–समय पर सहयोग एवं साहस प्रदान किया।

धन्यवाद ज्ञापन की श्रृंखला में मै टंकणकर्ता **राजीव कुमार** को भी धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिन्होंने समय पर कार्य पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया।

अन्त में मै उन सभी के प्रति आभार प्रकट करना अपना कर्तव्य समझती हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से अपना आर्शीवाद एवं सहयोग प्रदान किया।

दिनांक –

शोधकत्री

नीतू कमठान